

426
प्रेषक,

श्याम सिंह,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 28 मार्च 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर योजना "वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास" हेतु पुनर्विनियोग।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या नि० 1595/3-5(वन्य जन्तु परि०) दिनांक 15.02.2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर योजना "वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास" हेतु संलग्न बी०एम०-9 के अनुसार ₹12.50 लाख (द्वारह लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोग की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2016 तक कर लिया जायेगा यदि पुनर्विनियोजित की गयी धनराशि समर्पित की जाती है तो इस हेतु सम्बन्धित अधिकारी/व्यय नियंत्रक अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। दिनांक 31.03.2016 तक उपभोग न होने पर धनराशि समर्पित कर दी जायेगी।
 2. धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है।
 3. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
 4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 2- इस सम्बन्ध में होने व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-27 के लेखाशीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन, 01-वानिकी, 800-अन्य व्यय, 15-वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास के मानक मद 29-अनुरक्षण के नामे डाला जायेगा तथा बी०एम०-9 के कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
- 3- ये आदेश वित्त विभाग अ०शा०प०स०-191(P)/ XVII-4-2015-16 दिनांक 28 मार्च 2016 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न : बी०एम०९

भवदीय,

(श्याम सिंह)
उप सचिव

संख्या-832/X-2-2016-12(34)/2012, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून को बी०एम०-9 की मूल प्रति सहित
5. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

(श्याम सिंह)
उप सचिव

बी.एस. - 09

अग्लोडमेंट आईडी - R1603270970
दिनांक - 28-Mar-2016

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्रावधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्विनियोग किसे जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23-लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी

पुनर्विनिर्माण किये जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेप्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी है।